केंद्रीय विद्यालय पुलगांव कैंप

शिक्षण सहायता के रूप में भवन (BALA) अवधारणा का कार्यान्वयन

परिचय-

शिक्षण सहायता के रूप में भवन (**BALA)** की अवधारणा शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव दृष्टिकोण है, जो भौतिक विद्यालय के वातावरण को एक सक्रिय शिक्षण संसाधन में परिवर्तित करता है। **BALA** का उद्देश्य भवन के वास्तुशिल्प तत्वों को शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करना है, जिससे छात्रों को अवधारणाओं को आकर्षक और रचनात्मक तरीके से समझने में मदद मिलती है। यह पद्धति पारंपरिक कक्षा की सीमाओं से अलग हटकर विद्यालय के बुनियादी ढांचे को दैनिक पाठों में एकीकृत करती है, जिससे सीखना एक अधिक संवादात्मक और अनुभवात्मक प्रक्रिया बन जाती है।

केंद्रीय विद्यालय पुलगांव कैंप ने अपने बुनियादी ढांचे को अधिक छात्र-अनुकूल और सीखने के लिए अनुकूल बनाने के लक्ष्य के साथ **BALA** पहल को अपनाया है। यह रिपोर्ट **BALA** अवधारणा को लागू करने के लिए **KV** पुलगांव कैंप द्वारा उठाए गए कदमों, उपयोग की गई रणनीतियों, सामने आई चुनौतियों और अब तक देखे गए परिणामों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है।

उद्देश्य-

केन्द्रीय विद्यालय पुलगांव कैंप में **BALA** के कार्यान्वयन के पीछे प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. स्कूल के माहौल को सीखने का स्रोत बनाकर छात्रों की भागीदारी बढ़ाना।

2. दृश्य और शारीरिक रूप से उत्तेजक स्थान प्रदान करके रचनात्मकता और अलग सोच को प्रोत्साहित करना।

3. भवन संरचना में एकीकृत इंटरैक्टिव शैक्षिक उपकरणों के माध्यम से सक्रिय सीखने को बढ़ावा देना।

4. समावेशी शिक्षा की सुविधा प्रदान करना जहाँ सभी सीखने की शैलियों और क्षमताओं के छात्र पर्यावरण से लाभ उठा सकें।

5. शिक्षा में रंग, आकार, पैटर्न के उपयोग के माध्यम से सीखने को आनंददायक बनाना।

BALA कार्यान्वयन के क्षेत्र

1. शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में दीवारें:

केन्द्रीय विद्यालय पुलगांव कैंप में **BALA** के सबसे प्रभावी उपयोगों में से एक कक्षा और गलियारे की दीवारों को सीखने के उपकरण में बदलना रहा है। दीवारों पर विभिन्न विषयों को आरेखों, इंटरैक्टिव चार्ट और निर्देशात्मक दृश्यों के माध्यम से दर्शाया गया है। उदाहरण के लिए:

गणित सीखना: गणितीय अवधारणाओं को समझने में छात्रों की मदद करने के लिए दीवारों पर भिन्न अवधारणाएँ, ज्यामितीय आकृतियाँ, आवर्त सारणी, गुणन सारणी और संख्या रेखाएँ चित्रित की गई हैं।

भाषा सीखना: आसान संदर्भ के लिए अक्षर, शब्द और व्याकरणिक संरचनाएँ प्रदर्शित की गई हैं।

पर्यावरण विज्ञान: स्कूल की दीवारों पर पौधों के जीवन चक्र, जल चक्र और अन्य वैज्ञानिक घटनाओं के दृश्य भी सजे हुए हैं, जो दृश्य सहायता के माध्यम से समझ को बढ़ाते हैं।

2. फर्श आधारित सीखना:

KV पुलगाँव कैंप के फर्श का उपयोग छात्रों को खेलना और संख्याएँ सीखना सिखाने के लिए अभिनव रूप से किया गया है, जिससे छात्रों को बुनियादी अवधारणाओं के अपने ज्ञान को मजबूत करते हुए खेलने की अनुमति मिलती है

3. बाहरी सीखने की जगहें:

पारंपरिक कक्षा से परे, स्कूल ने कई बाहरी सीखने की जगहें बनाई हैं। इन क्षेत्रों को छात्रों के बीच अन्वेषण, आलोचनात्मक सोच और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

लर्निंग गार्डन: स्कूल के बगीचे के क्षेत्र का उपयोग छात्रों को पौधों, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के बारे में सिखाने के लिए किया जाता है।

4. आकृतियों और पैटर्न का उपयोग:

BALA में समरूपता, संतुलन और अनुपात की अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए पैटर्न और आकृतियों का अक्सर उपयोग किया जाता है। **KV** पुलगांव कैंप में गलियारे, खिड़कियाँ और दरवाज़े ज्यामितीय आकृतियों के साथ डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे छात्र स्कूल में घूमते समय कोण, समरूपता और पैटर्न के बारे में सीख सकते हैं।

कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ

1. सहयोगात्मक योजना:

स्कूल प्रबंधन ने सुनिश्चित किया कि शिक्षक नियोजन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हों ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक विषय के शैक्षिक विषयों को संरेखित, एकीकृत किया जाए, जिससे छात्रों के लिए एक व्यापक और एकीकृत सीखने के अनुभव को बढ़ावा मिले।

2. छात्रों की भागीदारी:

छात्रों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया, इससे न केवल स्थान अधिक छात्र-अनुकूल बन गए, बल्कि उनके स्कूल के माहौल में स्वामित्व और गर्व की भावना भी बढ़ी।

परिणाम और प्रभाव

1. छात्रों की भागीदारी में वृद्धि:

BALA कार्यान्वयन ने कक्षाओं में छात्रों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इंटरेक्टिव दीवारों और खेल-आधारित शिक्षण क्षेत्रों ने छात्रों के लिए पाठों को अधिक गतिशील और रोचक बना दिया है, जिससे उनकी एकाग्रता और भागीदारी में सुधार हुआ है।

2. अवधारणाओं का बेहतर प्रतिधारण:
छात्रों ने अवधारणाओं को बेहतर ढंग से बनाए रखा है, खासकर गणित, विज्ञान और भाषा सीखने जैसे विषयों में, जहाँ दृश्य और अनुभवात्मक शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग किया गया था।

3. समावेशी शिक्षण वातावरण:

BALA ने एक समावेशी शिक्षण वातावरण बनाने में योगदान दिया है जहाँ धीमी गति से सीखने वाले और विकलांग छात्रों सहित विविध सीखने की ज़रूरतों वाले छात्र दृश्य और स्पर्श सीखने के अनुभवों से लाभ उठा सकते हैं।

4. रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा मिला:

आउटडोर और खेल-आधारित शिक्षण स्थानों के समावेश ने छात्रों के बीच रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा दिया है, जिससे उन्हें नए तरीकों से अवधारणाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

निष्कर्ष

केंद्रीय विद्यालय पुलगांव कैंप में बिल्डिंग ऐज़ ए लर्निंग एड (**BALA)** अवधारणा का कार्यान्वयन शिक्षा को और अधिक आकर्षक बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम रहा है

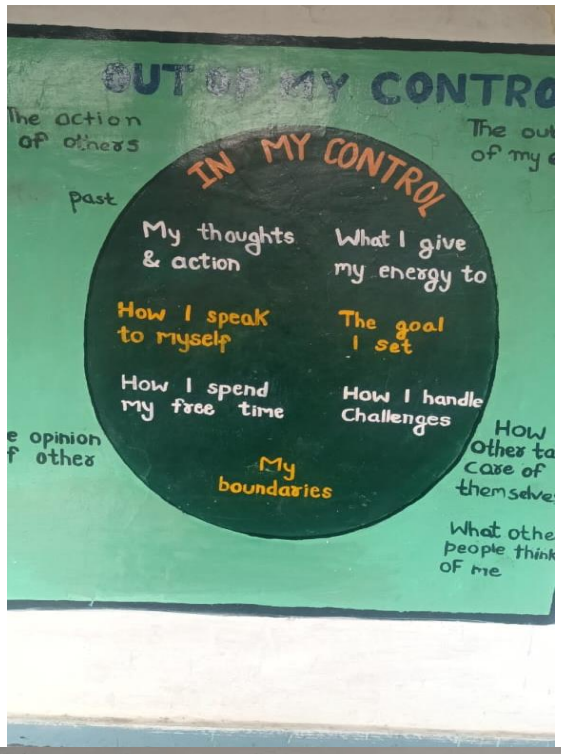

OUT OF MY CONTRO
The action of others
The out of my
past
IN MY CONTROL
My thoughts & action
What I give my energy to
How I speak to myself
The goal I set
How I spend my free time
How I handle Challenges
My boundaries
e opinion f other
How others ta care of themselve
What othe people think of me

Structure of the Earth
CRUST
MANTLE
OUTER CORE
INNER CORE

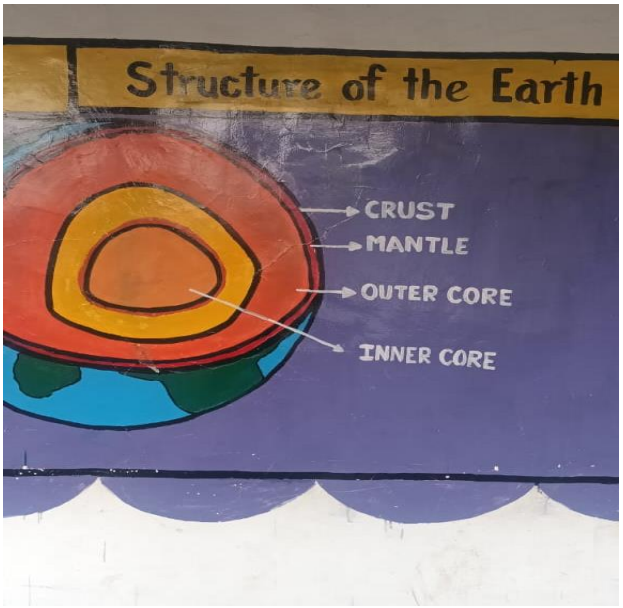

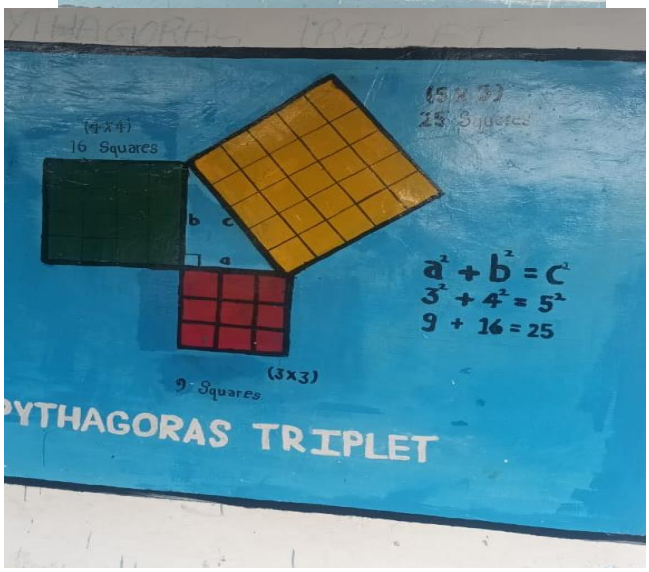

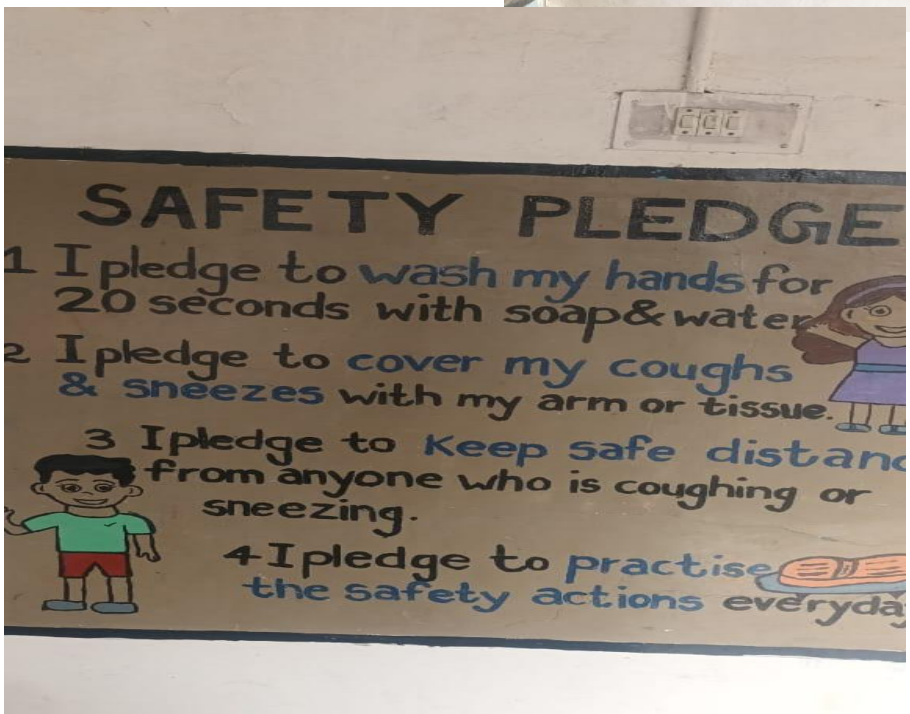

(4×4)
16 Squares
(5×5)
25 Squares
b
c
a
a² + b² = c²
3² + 4² = 5²
9 + 16 = 25
(3×3)
9 Squares
YTHAGORAS TRIPLET

Kilo-
Hecto-
Deca-
Base Unit
meter, gram, litter
Deci-
Centi-
milli-
TO CONVERT
10
DIVIDE
÷
×
MULTIPLY

SAFETY PLEDGE
1 I pledge to wash my hands for 20 seconds with soap & water
2 I pledge to cover my coughs & sneezes with my arm or tissue.
3 I pledge to keep safe distanc from anyone who is coughing or sneezing.
4 I pledge to practise the safety actions everyda